भारत सरकार
शक्षा मंत्रालय
उच्चतर शक्षा वभाग

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न संख्या-1260
उत्तर देने की तारीख-**08/12/**2025

स्नातकों को रोजगार

†1260. श्री श्रीभरत मतुकु मल्ली:

क्या शक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) अ खल भारतीय उच्चतर शक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, पछले तीन वर्षों के दौरान उच्चतर शक्षा संस्थानों से इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातकों सहित प्रतिवर्ष स्नातक होने वाले कुल छात्रों की संख्या कतनी है;
(ख) क्या सरकार द्वारा स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर ऐसे स्नातकों की उनके अध्ययन क्षेत्र से संबं धत क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति पर निगरानी रखी जाती है या रखे जाने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने इं डया स्किल्स रिपोर्ट, 2025 जैसे अध्ययनों में सामने आए रोजगारपरकता निष्कर्षों की जाँच की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का स्नातक रोजगार की निगरानी करने और उच्चतर शक्षा तथा श्रम बाजार परिणामों के बीच संरेखण में सुधार करने के लए कौशल वकास और उद्य मता मंत्रालय के समन्वय में एक राष्ट्रीय ढांचा स्था पत करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)
(क): अ खल भारतीय उच्चतर शक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स सहित कुल ग्रेजुएट्स की संख्या वर्ष **2020-21** में **95.41** लाख से बढ़कर वर्ष **2022-23** में **1.09** करोड़ हो गई है। वर्ष **2020-21** से **2022-23** तक ग्रेजुएट्स का आंकड़ा इस प्रकार है:

वर्ष **2020-21** से वर्ष **2022-23** के दौरान इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट ग्रेजुएट सहित कुल ग्रेजुएट की संख्या (अनंतिम)

2020-21	**95,41,036**
2021-22	**1,07,38,573**
2022-23(अनंतिम)	**1,09,45,571**

(ख): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (जैसे: कार्यबल जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) के आकलन तैयार करने के लए वर्ष **2017** से आव धक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित कर रहा है। पीएलएफएस वर्ष 2023-24 के वा र्षक परिणामों से पता चलता है क भारत में ग्रेजुएट्स के लए कार्यबल जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 57.5% और स्नातकोत्तर और उससे ऊपर के लए 62.2% है।

(ग) और (घ): भारत कौशल रिपोर्ट **2025** के अनुसार, भारत की राष्ट्रीय रोजगार क्षमता दर **54.81%** है। इस रिपोर्ट में **28** राज्यों और **8** संघ राज्य क्षेत्रों के **12** सेक्टर के **6.5** लाख कैं डडेट्स द्वारा लए गए व्हीबॉक्स ग्लोबल एम्प्लॉयबि लटी टेस्ट (जीईटी) के परिणामों के आधार पर भारतीय ग्रेजुएट्स की रोजगार क्षमता का मूल्यांकन करती है।

कौशल वकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) युवाओं को उद्योग संबंधी कौशल से सुसज्जित करके रोजगार के अवसरों तक पहुँच प्रदान करने के लए और ग्रेजुएट्स सहित युवाओं की रोजगार क्षमता में वृद् ध करने के उद्देश्य से देश में लघु अव ध प्र शक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल वकास प्र शक्षण प्रदान करने और कौशल वकास तथा अ धगम पूर्व पहचान (आरपीएल) के माध्यम से कौशल-उन्नयन और री-स्कि लंग प्रदान करने के लए वर्ष **2015** से अपनी प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल वकास योजना (पीएमकेवीवाई) को कार्यान्वित कर रहा है। वर्तमान में, पीएमकेवीवाई **4.0** को वत्तीय वर्ष **22-23** से वत्तीय वर्ष **2025-26** के लए कार्यान्वित कया जा रहा है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, योजना के अंतर्गत एक वर्ष के समयाव ध हेतु अभ्यर्थी की पोस्ट सर्टि फकेशन ट्रै कंग का प्रावधान है। कौशल भारत डजिटल हब के माध्यम से, अभ्य र्थयों को नौकरी और प्र शक्षुता के अवसर मल सकते हैं।

भारत सरकार ने राष्ट्रीय शक्षा नीति (एनईपी), **2020** बनाई है, जिसमें सामान्य शक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल को जोड़ने पर बल दिया गया है। इस संकल्पना के अनुरूप, यूजीसी ने 'अवर स्नातक वद्या र्थयों के लए प्र शक्षुता/अनुसंधान प्र शक्षुता संबंधी दिशा-निर्देश' जारी कए हैं, जिसका उद्देश्य उनकी रोजगार क्षमता और वैश्विक कार्य समझ को बेहतर बनाना है। इसके अतिरिक्त, यूजीसी ने छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लए 'उच्चतर शै क्षक संस्थानों द्वारा प्र शक्षुता सन्निहित डग्री प्रोग्राम (एईडीपी) संचा लत करने संबंधी दिशानिर्देश' तैयार कए हैं।

एनईपी **2020** के उद्देश्यों को प्राप्त करने और तकनीकी छात्रों को उद्योग से संबं धत ज्ञान की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लए, अ खल भारतीय तकनीकी शक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें शा मल हैं:

- आर्टि फ शयल इंटे लजेंस, डेटा साइंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डज़ाइन और टेक्नोलॉजी), रोबोटिक्स और आर्टि फ शयल इंटे लजेंस इत्यादि क्षेत्रों में मॉडल पाठ्यचर्या। पाठ्यचर्या संशोधन स मतियों में उद्योग हितधारकों का व धवत प्रतिनि धत्व सुनिश्चित कया जाता है।

- वद्या र्थयों और संकाय सदस्यों की प्र शक्षुता, स्कि लंग और अपस्कि लंग को सु वधाजनक बनाने के लए प्रमुख औद्यौ गक इकाइयों और संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कए गए हैं।

- तकनीकी पाठ्यक्रमों के लए मॉडल प्र शक्षुता दिशा-निर्देश जारी कए गए। प्र शक्षुता एआईसीटीई द्वारा अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लए जारी कए गए मॉडल पाठ्यचर्या का अनिवार्य घटक है। इन दिशा-निर्देश में पूर्णका लक या अंशका लक प्र शक्षुता का प्रावधान है।

- एआईसीटीई ने औद्यौ गक शैक्ष णक मोबि लटी फ्रेमवर्क लॉन्च कया है ता क कताबी ज्ञान और ज्ञान के वास्त वक प्रयोग के बीच संपर्क आसान हो सके, जिससे शैक्ष णक और औद्यौ गक गठजोड़ आसान हो सके।

- एआईसीटीई करियर पोर्टल वश्व वद्यालय उत्तीर्ण छात्रों को बड़ी कंपनियों में नौकरी के अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है। इस पोर्टल का उद्देश्य वद्या र्थयों को नौकरी, इंटर्न शप, स्वयं का सं क्षप्त ववरण बनाने और इंटरव्यू की तैयारी में सहायता करता है। यह पोर्टल वशेष रूप से खराब इंटरनेट कनेक्टि वटी वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले वद्या र्थयों के लए बनाया गया है।

- एआईसीटीई ने पेशेवर का र्मकों, होममेकर्स, वद्या र्थयों और अपनी क्षमताओं में वृद् ध के इच्छुक कसी भी व्यक्ति सहित अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के लए ज्ञान और कौशल उन्नयन में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रवीणता योजना प्रस्ता वत की है।

इसके अतिरिक्त, शक्षा मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास के साथ मलकर स्वयम प्लस मंच शुरू कया है। यह प्लेटफॉर्म औद्यौ गक सहयो गयों के साथ मलकर कौशल संबंधी पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिससे शक्षा र्थयों को रीस्किल, अपस्किल और रोजगार हेतु तैयार होने में मदद मलती है। दिनांक 5 दिसंबर 2025 की स्थिति के अनुसार, स्वयं प्लस ने बड़े औद्यौ गक सहयो गयों के साथ 75 से ज़्यादा एमओयू हस्ताक्षर कए हैं, 17 अलग-अलग क्षेत्रों में 480 से ज़्यादा पाठ्यक्रम मंच पर उपलब्ध हैं, और 4.65 लाख से अ धक शक्षा र्थयों ने अपना कौशल बढ़ाने के लए नामांकन कया है।

शक्षा मंत्रालय अन्तः कार्य प्र शक्षण प्रदान करने और एईडीपी, ग्रेजुएट्स और डप्लोमा धारक वद्या र्थयों की रोजगार क्षमता में वृद् ध करने हेतु राष्ट्रीय प्र शक्षुता प्र शक्षण योजना (एनएटीएस) कार्यान्वित करता है। एनएटीएस के तहत, दिनांक 5 नवंबर 2025 तक उच्चतर शक्षा संस्थानों के साथ 170 से अ धक एमओयू हस्ताक्षर कए गए हैं, ता क प्र शक्षुता प्र शक्षण को पाठ्यचर्या में शा मल कया जा सके। वत्तीय वर्ष 2024-25 के लए, एनएटीएस के तहत 5.23 लाख से अ धक प्र शक्षु नियुक्त कए गए। वर्तमान में, प्र शक्षु आईटी/आईटीईएस, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स और बीएफएसआई जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में प्र शक्षुता संबंधी प्र शक्षण ले रहे हैं। एनएटीएस के हाल ही में हुए एक तृतीय पक्ष मूल्यांकन में बताया गया है क 74% प्र शक्षु प्र शक्षुता के बाद नौकरी में लग गए।

भारत सरकार का श्रम और रोज़गार मंत्रालय, नेशनल करियर स र्वस (एनसीएस) पोर्टल संचा लत करता है, जो एक डजिटल प्लेटफ़ॉर्म **[www.ncs.gov.in]** के माध्यम से निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफ़लाइन रोजगार मेलों की जानकारी, जॉब सर्च और मै चंग, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल वकास पाठ्यक्रम की जानकारी, कौशल/प्र शक्षण कार्यक्रम इत्यादि करियर से संबं धत सेवा प्रदान करने के लए वन-स्टॉप सॉल्यूशन है।

*****